

वैदेशिक कार्य मंत्री के सभा सचिव (श्री साबत बली खाँ) : जी, हाँ, बोध-गया में एक बौद्ध मन्दिर बनवाने का उनका विचार है ।

श्री रघुनाथ सिंह : क्या मैं जान सकता हूँ कि क्या कोई और भी ऐसे देश हैं जिन्होंने भारत में मन्दिर बनाने की दरखास्तें भेजी हैं ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : जी, नहीं, कोई और ऐसी दरखास्तें नहीं आईं और न ही हम औरों से मन्दिर बनाने की दरखास्तें ही करते हैं ।

Steel

*611. **Dr. Ram Subhag Singh :** Will the Minister of Iron and Steel be pleased to state :

(a) whether Government propose to introduce any new system of processing steel in the State steel concerns;

(b) if so, the nature thereof ; and

(c) whether the entire output of India's State steel factories will be processed under this new system?

The Minister of Industries (Shri Kanungo) : (a) to (c). The question of adopting the new LD (Linz-Donawitz) process recently developed in Austria for the manufacture of the greater part of the Steel output in the case of the Hindustan Steel Limited is still under consideration. It is yet premature to say whether, and if so to what extent this process would be used for steel making in the other steel units to be established by Government.

Dr. Ram Subhag Singh : May I know whether the Government of India have invited any technical team from Austria to help this Government to introduce that processing system in this country?

Shri Kanungo : This is a well-established process which is worked out in many parts of the world and the consultants of Hindustan Steel are also well up for consultation purposes in this process.

छोटे पैमाने के उद्योग

*६१२. **श्री विभूति मिश्र :** क्या उत्पादन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि छोटे पैमाने के उद्योगों द्वारा तैयार वस्तुओं के विपणन के लिये सरकार ने एक विस्तृत योजना स्वीकृत की है ; और

(ख) यदि हाँ, तो उस योजना की मुख्य मुख्य बातें क्या हैं तथा यह कब से लागू होगी ?

उत्पादन उप मंत्री (श्री सतीश चन्द्र) : (क) अखिल भारतीय खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, दस्तकारी बोर्ड और रेशम बोर्ड अपने अपने माल की बाजार में प्रासानी से खपत करने के प्रश्न पर काफी ध्यान दे रहे हैं । परन्तु सरकार के पास कोई विस्तृत योजना विचार करने के लिये नहीं भेजी गई है ।

(ख) विभिन्न बोर्डों ने हाथ की बनी हुई वस्तुओं की सर्व प्रियता बढ़ाने के लिये कुछ कदम उठाये हैं जैसे बिक्री मंडारों को खोलना, प्रदर्शनियों में भाग लेना, तथा दस्तकारियों की सूची छापना, इत्यादि ।

श्री विभूति मिश्र : मैं जानना चाहता हूँ कि सरकार छोटे छोटे पैमाने के ग्रामोद्योगों के लिये तो इतना रुपया दे रही है, लेकिन क्या सरकार गांव में जो चर्खा चला कर सूत कातता है, या जो माल लोहार तैयार करता है या बदर्ई तैयार करता है, उन के माल को खरीदने का भी कोई इन्तजाम करती है या नहीं करती है ?

श्री सतीश चन्द्र : खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड इस बात पर विचार कर रहा है कि जो सूत देहातों में काता जाता है या देहातों में जो दूसरे उद्योग हैं जैसे तेल का, उनका कोआपरेटिव सोसाइटीज के जरिये से संगठन हो और उनको माली इमवार दी जाये । बोर्ड इस पर भी ध्यान देता है कि किस तरह माल की बाजार में प्रासानी से खपत हो ।

श्री विभूति मिश्र : क्या सरकार को मालूम है कि आजकल गांवों में जो छोटे छोटे काम करने वाले भ्रादमी हैं उनके पास बहुत सा सामान पड़ा हुआ है और कोई खरीदने वाला नहीं है। क्या सरकार जो अनुदान देती है उस में से इसके लिये कुछ रकम अलग रख देगी ताकि उनके माल को खरीदा जा सके ?

श्री सतीश चन्द्र : अगर किसी विशेष स्थान की कठिनाइयों की तरफ माननीय सदस्य ध्यान दिलायेंगे तो खादी बोर्ड को लिखा जायेगा कि उन पर विचार करे।

श्री विभूति मिश्र : खादी का सवाल नहीं है और सामान भी तैयार होता है। वहां पर लोहार है, बढ़ई है, चूड़ी बनाने वाला है जिनके पास काफी सामान पड़ा हुआ है लेकिन खरीदने वाला कोई नहीं है जिसके कारण उन में बेरोजगारी बढ़ रही है।

श्री सतीश चन्द्र : इस सम्बन्ध में अगर माननीय सदस्य बतायें कि किस जगह पर क्या सामान है तो सरकार अवश्य विचार करेगी।

Second Five Year Plan

*613. **Shri A. K. Gopalan :** Will the Minister of Planning be pleased to state :

(a) the extent and nature of foreign aid, loan for assistance fixed for the Second Five Year Plan ;

(b) whether there are any conditions to be stipulated for this aid, loan or assistance; and

(c) if so, their nature ?

The Deputy Minister of Planning (Shri S. N. Mishra) : (a) The extent and nature of foreign aid or foreign loans that might become available for the Second Plan period are not yet known.

(b) and (c). Do not arise.

Shri N. B. Chowdhury : In view of the reply given by the hon. Minister, may I know whether Government will be in a position to finalise their estimates with regard to the resources, in the absence of any idea about the extent of foreign assistance?

Shri S. N. Mishra : The idea about the foreign assistance at this stage could be only notional, but even so, that should not come in the way of our making a somewhat reasonable assessment of the resources that may be available for the Second Plan.

Shri N. B. Chowdhury : How can we form an idea about the amount or notion of help without contacting the different countries?

Mr. Speaker : I think the hon. Member has misunderstood the reply given by the hon. Minister. The hon. Minister's reply, as I understood it, was that even without taking into consideration any foreign aid, they will be in a position to approximately make out their plans.

Shri S. N. Mishra : What I meant was that one could make a reasonable estimate of one's foreign exchange requirements and also some reasonable estimate of the amount of aid that may be coming but that is only notional at this stage.

Korean Prisoners of War

*614. **Chaudhuri Muhammed Shafiq :** Will the Prime Minister be pleased to state ;

(a) whether the Government of India have requested the U.N.O. to arrange for the repatriation of the Korean ex-Prisoners of War now stationed in India;

(b) whether it is a fact that there has been a lot of recurring trouble with these ex-Prisoners of War;

(c) if so, what are the incidents; and

(d) whether Government have investigated them?

The Parliamentary Secretary to the Minister of External Affairs. (Shri Sadath Ali Khan) : (a) No.

Some of the ex-prisoners of war from Korea have opted for settlement in India. They have been given facilities for this purpose and are being trained in various technical institutions. Other ex-prisoners of war have opted for immigration to Mexico and other South American countries. The Government of India have been trying to obtain necessary facilities for them through the Secretary-General of the United Nations.

(b) and (c) There have been some cases of indiscipline in the camps, but no incident of a serious nature has taken place.

(d) The Government of India look upon the care and maintenance of these prisoners as an international responsibility and even petty occurrences have